समय : 3 घण्टे 15 मिनट]

निर्देश—(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड 'क'

1. (क) 'अष्टयाम' रचना के लेखक हैं— 1

(i) जटमल (ii) नाभादास

(iii) रामप्रसाद निरंजनी (iv) विट्ठलनाथ।

(ख) 'हिन्दी गद्य साहित्य' के जनक माने जाते हैं— 1

(i) राजा शिवप्रसाद सितारेहिन्द

(ii) लक्ष्मणसिंह

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) रायकृष्णदास।

(ग) निम्न में से हिन्दी की पहली कहानी मानी जाती है— 1

(i) 'जैसे उनके दिन फिरे' (ii) 'इन्दुमती'

(iii) 'उसने कहा था' (iv) 'नीलकमल देश की राजकन्या'।

(घ) 'ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक थे— 1

(i) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(ii) प्रतापनारायण मिश्र

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iv) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी।

(ङ) 'सरयूपार की यात्रा' की विधा है— 1

(i) आत्मकथा (ii) यात्रावृत्त

(iii) रेखाचित्र (iv) संस्मरण।

Gyansindhu Coaching Classes By-ARUNESH

2. (क) 'अनामदास का पोथा' के रचनाकार हैं— 1

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ii) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) वासुदेवशरण अग्रवाल।

(ख) 'भारत भारती' के रचनाकार हैं— 1

(i) जयशंकरप्रसाद (ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) महादेवी वर्मा (iv) सुभद्राकुमारी चौहान।

(ग) सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है— 1

(i) 'झरना' (ii) 'चिदम्बरा'

(iii) 'यामा' (iv) 'उर्वशी'।

(घ) सामान्य रूप से प्रगतिवादी काव्य की समय-सीमा मानी जाती है— 1

(i) सन् 1930 से 1946 तक

(ii) सन् 1932 से 1947 तक

(iii) सन् 1936 से 1943 तक

(iv) सन् 1940 से 1950 तक।

(ङ) प्रयोगवादी काव्यधारा के कवि हैं— 1

(i) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iv) पं० जगन्नाथदास 'रचनाकार'।

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $5 \times 2 = 10$

भाषा संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से नि:सृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नई सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत

प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नए प्रयोगों की, नई भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नए शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) "भाषा संस्कृति का एक अटूट अंग है।" इस सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) "संस्कृति परम्परा से नि:सृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है।" इस पंक्ति का क्या आशय है?

(ङ) संस्कृति की गति किसके फलस्वरूप और अधिक तीव्र हो जाती है?

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार से देखते हैं, वह ऊर्जा का ही स्वरूप है। जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं। इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ; दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं, तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह किसका स्वरूप है?

(ग) महर्षि अरविन्द ने अस्तित्व का हिस्सा किसको माना है?

(घ) गद्यांश के आधार पर 'तादात्म्य' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) कैसी इच्छा रखना शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $5 \times 2 = 10$

व्यापक ब्रह्म सबै थल पूरन है, हमहूँ पहंचानती हैं।
पै बिना नंदलाल बिहाल सदा 'हरिश्चन्द्र' ने ज्ञानहिं ढानती हैं।।
तुम ऊधौ यहै कहियो उनसों हम और कछू नहिं जानती हैं।
पिय प्यारे तिहारे निहारे बिना अखियाँ दुखियाँ नहिं मानती हैं।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) कवि ने ब्रह्म का स्वरूप किस प्रकार व्यक्त किया है?

(घ) गोपिकाएँ ऊधव से क्या निवेदन कर रही हैं?

(ङ) गोपिकाओं का दु:ख क्या है?

अथवा

स्पन्दन में चिर निस्पन्द बसा,
क्रन्दन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरणी मचली!
मेरा पग पग संगीत भरा
श्वांसों से स्वप्न पराग झरा,
नभ के नव रँग बनते दुकूल,
छाया में मलय बहार पली।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(ग) 'क्रन्दन में आहत विश्व हँसा' का आशय लिखिए।

(घ) लेखिका ने अपनी तुलना किससे की है?

(ङ) 'निर्झरिणी' तथा 'दुकूल' शब्द का अर्थ लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए—
(शब्द सीमा; अधिकतम 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

(i) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल
(ii) पं० दीनदयाल उपाध्याय
(iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए—
(शब्द सीमा; अधिकतम 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

(i) महादेवी वर्मा (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iii) रामधारीसिंह 'दिनकर'।

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। (शब्द सीमा; अधिकतम 80 शब्द) 5

अथवा कहानी तत्त्वों के आधार पर 'खून का रिश्ता' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के प्रश्न का उत्तर दीजिए— (शब्द सीमा; अधिकतम 80 शब्द) 5

(i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।

(iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताओं को लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

गुरुः विरजानन्दोपि कुशाग्रबुद्धिमिमं दयानन्दं त्रीणि वर्षाणि यावत् पाणिनेः अष्टाध्यायीमन्यान् च शास्त्राणि अध्यापयामास। समाप्तविद्यः दयानन्दः परमया श्रद्धया गुरुमवदत्—भगवन् अहम् अकिञ्चनतया तनुमनोभ्यां समं केवलं लवङ्गजातमेव समानीतवानस्मि। अनुगृह्णातु भावन् अङ्गीकृत्य मदीयामिमां गुरुदक्षिणाम्।

अथवा

आः तिष्ठ इदानीम्। कथं न दृष्टः केशवः? अहो ह्रस्त्वं केशवस्य। आ तिष्ठ इदानीम्। कथं न दृष्टः केशवः! अहो दीर्घत्वं केशवस्य। कथ न दुष्टः केशवः। अयं केशवः। कथं सर्वत्र शलायां केशवा एवं केशवाः दृश्यन्ते! किम इदार्नी करिष्ये! भवतु, दृष्टम्। भो राजानः! एकेन एकः केशवः बध्यताम्। कथं स्वमेव पाशैर्बद्धा पतन्ति राजनः।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति।।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेत् विद्यां विद्यार्थी व त्यजेत् सुखम्।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए।— 2 + 2 = 4

(क) मूर्खाणां कालः कथं गच्छति?
(ख) मूलशंकरस्य उपनयनम् कदा अवभत्?
(ग) गौतमबुद्धः कान् सिद्धान्तान् अशिक्षयन्?
(घ) का भाषा देवभाषा इति नाम्ना ज्ञाता?

10. (क) 'शृंगार' रस **अथवा** 'वीर' रस की परिभाषा उदाहरणसहित लिखिए। 2

(ख) 'रूपक' अलंकार **अथवा** 'दृष्टान्त' अलंकार की परिभाषा उदाहरण-सहित लिखिए। 2

(ग) 'सोरठा' **अथवा** 'हरिगीतिका' छन्द का लक्षणसहित उदाहरण लिखिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए— $2+7=9$

(क) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(ख) वन संरक्षण का महत्त्व

(ग) राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता

(घ) बढ़ती-जनसंख्या का कुप्रभाव

(ङ) स्वच्छ भारत अभियान।

12. (क) (i) 'एचोऽयवायावः' सन्धि है— 1

(अ) उप + ओषति (ब) नौ + इकः

(स) रामस् + च (द) तत् + टीका।

(ii) सच्चयनम्' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) सद + चयनम् (ब) सत् +चयनम्

(स) सद् + चयनम् (द) सच् + चयनम्।

(iii) 'हरिः + चरति' की सन्धि है— 1

(अ) हरीचरति (ब) हरिश्चरति

(स) हरिर्चरति (द) हरिआचरति।

(ख) (i) 'नीलोत्पलम्' में समास है— 1

(अ) कर्मधारय (ब) द्विगु

(स) तत्पुरुष (द) द्वन्द्व।

(ii) 'आसमुद्रम्' में समास है— 1

(अ) बहुव्रीहि (ब) अव्ययीभाव

(स) कर्मधारय (द) तत्पुरुष।

13. (क) (i) 'आत्मसु' जगत् शब्द का रूप है— 1

(अ) द्वितीया, बहुवचन (ब) चतुर्थी, बहुवचन

(स) षष्ठी, बहुवचन (द) सप्तमी, बहुवचन।

(ii) 'नामभ्यः' रूप होता है— 1

(अ) पञ्चमी, बहुवचन में

(ब) सप्तमी, द्विवचन में
(स) सप्तमी, बहुवचन में
(द) षष्ठी, बहुवचन में।

(ख)(i) 'स्था' धातु विधिलिङ्लकार मध्यम पुरुष, एकवचन का रूप होगा— 1

(अ) तिष्ठेयुः (ब) तिष्ठेः
(स) तिष्ठेव (द) तिष्ठेयम्।

(ii) 'नयेः' रूप होता है, 'नी' धातु के— 1

(अ) लट्लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन
(ब) लोट्लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन
(स) लृट्लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन
(द) विधिलिङ्लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन।

(ग) (i) 'दृष्ट्वा' शब्द में प्रत्यय है— 1

(अ) अनीयर् (ब) तल् (स) तव्यत् (द) क्त्वा।

(ii) 'महत्त्वम्' शब्द में प्रत्यय है— 1

(अ) मतुप् (ब) वतुप् (स) क्त (द) त्व।

(घ) (i) '.....स्वाहा,' इस वाक्य में रिक्त स्थान में पद प्रयुक्त होगा— 1

(अ) इन्द्रम् (ब) इन्द्रेण
(स) इन्द्राय (द) इन्द्राणि।

(ii) विकारित अंग में विभक्ति होती है— 1

(अ) तृतीया (ब) पञ्चमी
(स) षष्ठी (द) सप्तमी।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— $2+2=4$

(क) तुम्हें घर जाना चाहिए। (ख) वह गाँव से पढ़ने आता है।
(ग) भिक्षुक राजा से धन माँगता है।
(घ) वह गुरु से प्रश्न पूछता है। ❐❐